NATIONAL
AWARDS
2025
DIRECTOR
PRODUCER

राष्ट्रीय पुरस्कार – राष्ट्रीय पुरस्कार नोट्स

राष्ट्रपति मुर्मू ने धर्मेंद्र प्रधान को कलिंग रत्न पुरस्कार 2024 प्रदान किया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ओडिशा के कटक में एक इवेंट में **केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान** को **कलिंग रत्न अवॉर्ड-2024 दिया। यह अवॉर्ड सेरेमनी 15वीं सदी की मशहूर ओडिया कवि** आदिकवि सरला दास की 600वीं जयंती के मौके पर हुई थी, जिसे सरला साहित्य संसद ने ऑर्गनाइज़ किया था। इस इवेंट में सरला दास के साहित्यिक योगदान पर रोशनी डाली गई और भारतीय भाषाओं और संस्कृति को बढ़ावा देने का जश्न मनाया गया।

पृष्ठभूमि और संदर्भ

सरला दास, जिन्हें अक्सर ओडिया साहित्य का आदिकबी (पहला कवि) कहा जाता है, को ओडिया महाभारत लिखने का क्रेडिट दिया जाता है। यह एक ऐसा काम था जिसने क्लासिकल भारतीय साहित्य को क्षेत्रीय भाषा के दायरे में ला दिया। उनके योगदान ने ओडिशा में साहित्यिक परंपरा के विकास की नींव रखी और भारत की भाषाई विविधता को बेहतर बनाया। सरला साहित्य संसद, एक साहित्यिक संगठन, अवॉर्ड और ज्ञानवर्धक इवेंट के ज़रिए उनकी विरासत को याद करता है।

इवेंट का उद्देश्य और मुख्य बातें

इस इवेंट का मकसद सरला दास की ज़िंदगी और लिटरेरी काम को श्रद्धांजलि देना था, साथ ही भाषा को शामिल करने और कल्चरल गर्व की वैल्यू को बढ़ावा देना था। प्रेसिडेंट मुर्मू ने भारत की भाषाई विविधता में पाई जाने वाली एकता पर ज़ोर दिया और बताया कि कैसे लिटरेचर कल्चर, भाषा और एजुकेशन को जोड़ने वाले एक मज़बूत पुल का काम करता है। उन्होंने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (NEP) 2020 की अहमियत पर भी ध्यान दिया, जो मातृभाषा में एजुकेशन को बढ़ावा देती है, जिससे बच्चे अपनी जड़ों और परंपराओं से बेहतर तरीके से जुड़ पाते हैं।

कलिंग रत्न पुरस्कार 2024

सरला साहित्य संसद हर साल कलिंग रत्न अवॉर्ड देती है। यह अवॉर्ड उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने शिक्षा, साहित्य, संस्कृति या पब्लिक सर्विस के क्षेत्र में अहम योगदान दिया हो। **इस साल के अवॉर्ड पाने वाले धर्मेंद्र प्रधान को शिक्षा में सुधार और भारतीय भाषाओं को आगे बढ़ाने की कोशिशों के लिए उनके कमिटमेंट के लिए सम्मानित किया गया।**

अतिरिक्त सम्मान

इसी इवेंट के दौरान, मशहूर शॉर्ट स्टोरी राइटर बिजय नायक को आज के ओडिया लिटरेचर में उनके योगदान के लिए राज्य के जाने-माने लिटरेरी अवॉर्ड्स में से एक, सरला सम्मान से सम्मानित किया गया।

संसद रत्न पुरस्कार 2025

26 जुलाई 2025 को, 18वीं लोकसभा में उनके शानदार योगदान के लिए सत्रह सांसदों (MPs) को संसद रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। संसदीय उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए शुरू किए गए ये अवॉर्ड उन सांसदों को दिए जाते हैं जो बहस, चर्चा और कमिटी के काम में लगातार, कमिटमेंट और अच्छी भागीदारी दिखाते हैं।

पृष्ठभूमि

संसद रत्न अवॉर्ड्स **2010 में शुरू किए गए थे, जो पूर्व राष्ट्रपति डॉ. APJ अब्दुल कलाम** के विज़न से प्रेरित थे, जिन्होंने बेहतरीन सांसदों को पहचान देने की वकालत की थी। ये अवॉर्ड्स हर साल बहस, प्राइवेट मेंबर्स बिल, उठाए गए सवालों और कमेटी में भागीदारी जैसे ऑब्जेक्टिव परफॉर्मेंस पैरामीटर्स के आधार पर दिए जाते हैं। समय के साथ, ये अवॉर्ड्स लेजिस्लेटिव प्रोडक्टिविटी और अकाउंटेबिलिटी को जांचने के लिए एक बेंचमार्क बन गए हैं।

महत्व

- **जवाबदेही को बढ़ावा देना** : पारदर्शी और रचनात्मक संसदीय काम के लिए सांसदों को मान्यता देता है।
- **डेमोक्रेसी को मज़बूत करना** : लेजिस्लेटर को पॉलिसी बनाने और बहस में एक्टिव रूप से हिस्सा लेने के लिए मोटिवेट करता है।
- **स्टैंडर्ड तय करना:** यह पार्लियामेंट के असर के लिए एक मापने लायक पैमाना देता है।
- **कंसिस्टेंसी को मानना** : उन MPs को इनाम दिया जाता है जिन्होंने कई टर्म में अच्छा परफॉर्मेंस बनाए रखा है।

2025 अवार्ड्स की मुख्य बातें

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

- **कुल अवार्ड पाने वाले:** अलग-अलग पार्टियों और इलाकों के 17 MP.
- **जाने-माने विजेता:** सुप्रिया सुले (NCP-SP), रवि किशन (BJP), निशिकांत दुबे (BJP), अरविंद सावंत (शिवसेना-UBT)।
- स्पेशल जूरी अवॉर्ड: 16वीं लोकसभा से लगातार अच्छा काम करने वाले चार MPs – भर्तृहरि महताब (BJP), एनके प्रेमचंद्रन (RSP), सुप्रिया सुले (NCP-SP), श्रीरंग अप्पा बारने (शिवसेना)।

समिति श्रेणी

- फाइनेंस पर स्टैंडिंग कमिटी (अध्यक्ष भर्तृहरि महताब)।
- कृषि संबंधी स्थायी समिति (अध्यक्षता डॉ. चरणजीत सिंह चन्नी, कांग्रेस)।

पुरस्कारों के उद्देश्य

- सांसदों को पार्लियामेंट्री बहस का स्टैंडर्ड बढ़ाने के लिए प्रेरित करना।
- कानूनी काम में जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाना।
- युवाओं और नागरिकों को असरदार पार्लियामेंट्री तरीकों की तारीफ़ करने के लिए बढ़ावा देना।
- लगातार और अच्छी क्वालिटी वाले योगदान के लिए पहचान को इंस्टीट्यूशनल बनाना।

71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की सूची (2023)
(बेस्ट एक्टर/एक्ट्रेस) कैटेगरी विनर लिस्ट

वर्ग	विजेता	पतली परत
सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (प्रमुख भूमिका)	शाहरुख खान	जवान
	रानी मुखर्जी	श्रीमती चटर्जी बनाम नॉर्वे
	विक्रांत मैसी	बारहवीं फेल
सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (सहायक भूमिका)	उर्वशी	उल्लोझुक्कू
	जानकी बोदीवाला	वाश
	विजयराघवन	पूकालम
	मुथुपेट्टई सोमू भास्कर	पार्किंग

क्षेत्रीय फिल्म विजेता सूची

वर्ग	विजेता
सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म	Kathal
सर्वश्रेष्ठ तेलुगु फिल्म	भगवंत केसरी
सर्वश्रेष्ठ तमिल फिल्म	पार्किंग
सर्वश्रेष्ठ मलयालम फिल्म	उल्लोझुक्कू
सर्वश्रेष्ठ मराठी फिल्म	श्यामची आई
सर्वश्रेष्ठ कन्नड़ फिल्म	कंदीलु
सर्वश्रेष्ठ पंजाबी फिल्म	गॉडडे गॉडडे चा
सर्वश्रेष्ठ असमिया फिल्म	रोंगाटापु 1982
सर्वश्रेष्ठ बंगाली फिल्म	डीप फ्रिज
सबसे अच्छी गुजराती फिल्म	वाश
सर्वश्रेष्ठ ओडिया फिल्म	पुष्कर

टेक्निकल अवॉर्ड कैटेगरी के विजेताओं की लिस्ट

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

वर्ग	विजेता	पतली परत
सर्वश्रेष्ठ एक्शन निर्देशन	नंदू-पृथ्वी	हनुमान
सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी	वैभवी मर्चेंट	रॉकी और रानी की प्रेम कहानी
सर्वश्रेष्ठ गीत	कसारला श्याम	ऊरु पल्लेतुरू – बलगाम
सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन	जीवी प्रकाश कुमार	वाथी
	हर्षवर्धन रामेश्वर	जानवर
सर्वश्रेष्ठ मेकअप	श्रीकांत देसाई	सैम बहादुर
सर्वश्रेष्ठ पोशाक डिजाइन	सचिन, दिव्या, निधि	सैम बहादुर
सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन डिज़ाइन	मोहनदास	2018
सर्वश्रेष्ठ संपादन	मिधुन मुरली	पूक्कालम
सर्वश्रेष्ठ ध्वनि डिजाइन	सचिन सुधाकरन, हरिहरन	जानवर
सर्वश्रेष्ठ पटकथा	साई राजेश	बच्चा
	रामकुमार बालकृष्णन	पार्किंग
सर्वश्रेष्ठ संवाद	दीपक किंगरानी सिर्फ	एक बंधा काफी है
सर्वश्रेष्ठ छायांकन	प्रशांतु महापात्र	केरल की कहानी
सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका (महिला)	शिल्पा राव	छलिया – जवान
सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक (पुरुष)	रोहित	प्रेमिस्तुन्ना – बेबी
सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार	सुकृति बांदीरेड्डी गांधी	थाथा चेट्टू
	कबीर खंडारे	जिप्सी
	Treesha Toshar, Shrinivas Pokale , Bhargav	नाल 2
सर्वश्रेष्ठ निर्देशन	सुदीप्तो सेन	केरल की कहानी

बेस्ट फिल्म कैटेगरी विनर्स लिस्ट

वर्ग	विजेता
AVGC में सर्वश्रेष्ठ फिल्म	हनुमान
सर्वश्रेष्ठ बाल फिल्म	नाल 2
राष्ट्रीय, सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देने वाली सर्वश्रेष्ठ फिल्म	सैम बहादुर
संपूर्ण मनोरंजन प्रदान करने वाली सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म	रॉकी और रानी की प्रेम कहानी
सर्वश्रेष्ठ डेब्यू फिल्म	आत्मापम्फलेट
सर्वश्रेष्ठ फिल्म	बारहवीं फेल
सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र फिल्म	भगवान गिद्ध और मानव
सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म	गिद्ध सफाईकर्मी
सर्वश्रेष्ठ गैर-काल्पनिक फिल्म	फूलवाला आदमी

राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कार 2025

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

11 अगस्त 2025 को , **डिपार्टमेंट ऑफ़ पेंशन एंड पेंशनर्स वेलफेयर (DoPPW) ने नेशनल अनुभव अवार्ड्स** की **10वीं सालगिरह** मनाने की घोषणा की । **यह रिटायर्ड सरकारी कर्मचारियों की पर्सनल यादों** के ज़रिए भारत के एडमिनिस्ट्रेटिव इतिहास को डॉक्यूमेंट करने की एक अनोखी पहल है ।

2015 में लॉन्च किया गया **अनुभव पोर्टल** , **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी** का सोचा हुआ था ताकि रिटायर हो रहे अधिकारियों के अच्छे अनुभव और इंस्टीट्यूशनल यादों को संभालकर रखा जा सके। यह पोर्टल कर्मचारियों से **रिटायरमेंट से आठ महीने पहले** या **रिटायरमेंट के तीन साल के अंदर** लेख मंगाता है , जिन्हें बाद में संबंधित मंत्रालय पब्लिश करता है और अवॉर्ड के लिए जांचा जाता है।

योजना का विकास और क्रमिक विकास

अपनी शुरुआत से ही, **नेशनल अनुभव अवॉर्ड्स स्कीम में** हिस्सा लेने को बढ़ावा देने और सही काम पक्का करने के लिए कई सुधार किए गए हैं:

- **2015: 05 राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कार** शुरू किए गए ।
- **2022:** जल्द ही रिटायर होने वाले कर्मचारियों को प्रेरित करने के लिए अवार्ड पाने वालों के लिए **'अनुभव अवार्डी स्पीक' वेबिनार सीरीज़** शुरू की गई ।
- **2023:** मुख्य 05 अवॉर्ड्स के अलावा **10 अनुभव जूरी अवॉर्ड्स** शुरू किए गए ; तीन पे स्केल ग्रुप्स (लेवल 1–6, 7–12, और 13+) के लिए अवॉर्ड्स रिज़र्व किए गए।
- **2024:** ऑब्जेक्टिविटी के लिए एक **मार्किंग सिस्टम लागू किया गया; एलिजिबिलिटी को 12 पब्लिक सेक्टर बैंकों** और **सेंट्रल पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइजेज (CPSEs) तक बढ़ाया गया** ।
- **2025:** मार्किंग क्राइटेरिया में **फीडबैक और सुझावों** के लिए मार्क्स जोड़े गए ; **नेशनल अनुभव अवार्ड्स स्कीम 2026 को नोटिफाई किया गया** ।

प्रभाव और मान्यता

पिछले दशक में, इस स्कीम ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं:

- अनुभव पोर्टल पर **12,500+ संस्मरण प्रकाशित।**
- **7 समारोहों** में **59 अनुभव पुरस्कार** और **19 जूरी पुरस्कार प्रदान किए गए** (COVID-19 के कारण 2020-21 को छोड़कर)।
- **टॉप कंट्रीब्यूटर:** CRPF, CISF, DRDO.
- **टॉप अवार्ड विनर:** DRDO, CRPF, रेल मंत्रालय।

राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कार 2025 की मुख्य बातें

18 अगस्त 2025 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले **8वें समारोह** में , राज्य मंत्री (पीपी) **डॉ. जितेंद्र सिंह 11 मंत्रालयों/विभागों** के **15 पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित करेंगे** ।

- **पार्टिसिपेशन बेस:** 42 मिनिस्ट्री/डिपार्टमेंट/ ऑर्गनाइज़ेशन ।
- **कुल एंट्री:** 2025 में पब्लिश हुए ~1500 लेख।
- **अवॉर्ड सिलेक्शन:** डिटेल्ड जांच के बाद 15 बेहतरीन मेमोयर्स चुने गए।

नई पहली चीज़ें:

- अवॉर्ड पाने वालों में **स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया (SBI)** और **भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL)** के कर्मचारी शामिल हैं।
- **अवॉर्ड पाने वालों में एक-तिहाई महिलाएं हैं** , जो गवर्नेंस में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को दिखाता है।

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

खाद्य और शांति के लिए वैश्विक एमएस स्वामीनाथन पुरस्कार

भारत की हरित क्रांति के जनक, प्रोफेसर MS स्वामीनाथन की विरासत को ऐतिहासिक श्रद्धांजलि देते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज उनके नाम पर एक ग्लोबल अवॉर्ड शुरू किया — MS स्वामीनाथन अवॉर्ड फॉर फ़ूड एंड पीस — जिसका मकसद विकासशील दुनिया में फ़ूड सिक्योरिटी और सस्टेनेबल खेती में उनके अहम योगदान को पहचान देना है।

यह घोषणा दिल्ली में चल रहे एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान की गई, जहाँ PM मोदी ने स्वामीनाथन के जीवन और योगदान की याद में एक शताब्दी स्मारक डाक टिकट भी जारी किया।

खाद्य सुरक्षा के वैश्विक चैंपियंस का सम्मान

नए शुरू हुए इस अवॉर्ड के पहले पाने वाले नाइजीरिया के साइंटिस्ट डॉ. एरेनारे हैं, जिन्हें नाइजीरिया में भुखमरी कम करने के उनके बदलाव लाने वाले काम के लिए सम्मानित किया गया है । यह अवॉर्ड स्वामीनाथन के ज़िंदगी भर के मिशन को दिखाता है, जो सिर्फ़ भारत में ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में साइंस और इनोवेशन के ज़रिए भुखमरी से लड़ना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, “डॉ. MS स्वामीनाथन को खेती में उनके दूर की सोच वाले काम के लिए दुनिया भर में सराहा जाता है।” “उन्होंने बायोडायवर्सिटी से आगे बढ़कर बायो-हैप्पीनेस का क्रांतिकारी आइडिया पेश किया, जो इकोलॉजिकल तालमेल में इंसानी भलाई पर फोकस करता है।”

विज्ञान और शांति में एक स्थायी विरासत

स्वामीनाथन, जिनका 23 सितंबर, 2023 को 98 साल की उम्र में निधन हो गया, को 2024 में मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उनके योगदान ने 1960 और 1970 के दशक की हरित क्रांति के दौरान बड़ी तरक्की के साथ, खाद्य उत्पादन में भारत की आत्मनिर्भरता की नींव रखी।

जलवायु-रोधी कृषि का आह्वान

वैज्ञानिकों से खेती पर क्लाइमेट चेंज के बढ़ते असर से निपटने के लिए कहें। भविष्य के लिए फ़ूड सिस्टम बनाने के लिए क्लाइमेट-रेज़िलिएंट बीज, पानी बचाने वाली टेक्नोलॉजी और सस्टेनेबल खेती के तरीके डेवलप करने की ज़रूरत है।

उम्मीद है कि यह अवॉर्ड एक प्रतिष्ठित इंटरनेशनल पहचान बनेगा, जो उन लोगों को सम्मानित करेगा जो “खाना और शांति” के मकसद को आगे बढ़ाते हैं — यह एक ऐसा शब्द है जिसका इस्तेमाल खुद स्वामीनाथन ने दुनिया भर में भुखमरी खत्म करने में खेती की भूमिका को बताने के लिए किया था।

ऑपरेशन सिंदूर : वीरता पुरस्कार

स्वतंत्रता दिवस 2025 से एक दिन पहले, भारत सरकार ने भारतीय सशस्त्र बलों के उन अधिकारियों के लिए वीरता पुरस्कारों की घोषणा की, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में अहम भूमिका निभाई थी । यह तीनों सेनाओं का एक मिशन था जो पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाता था। ये पुरस्कार भारत के सबसे अहम आतंकवाद विरोधी मिशनों में से एक के दौरान असाधारण बहादुरी, ऑपरेशन में बेहतरीन काम और बेहतरीन सेवा को पहचान देते हैं ।

पृष्ठभूमि: ऑपरेशन सिंदूर

ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम आतंकी हमले के बदले में शुरू किया गया था, जिसमें 26 आम लोग मारे गए थे। इस हमले की ज़िम्मेदारी पाकिस्तान में मौजूद लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के एक प्रॉक्सी, द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) ने ली थी।

इस ऑपरेशन में आर्मी, नेवी और एयर फ़ोर्स की कोऑर्डिनेटेड कार्रवाई शामिल थी।

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

- भारतीय सेना ने पाकिस्तान और PoK में जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े नौ आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया।
- इंडियन एयर फ़ोर्स ने पाकिस्तान के अंदर चार और PoK में पांच टारगेट पर सटीक हमले किए।
- इंडियन नेवी ने भारतीय ज़मीन से ऑपरेशनल सपोर्ट दिया।

प्रमुख पुरस्कारों की घोषणा

1. सर्वोत्तम युद्ध सेवा पदक (SYSM) – सर्वोच्च युद्धकालीन विशिष्ट सेवा पुरस्कार

सीनियर IAF लीडरशिप समेत चार अधिकारियों को यह अवार्ड दिया गया।

1. एयर मार्शल नरनादेश्वर तिवारी – वायु कर्मचारी
2. एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा – पश्चिमी वायु कमांडर
3. एयर मार्शल अवधेश भारती – डीजी एयर ऑपरेशंस
4. वाइस एडमिरल एसजे सिंह – पूर्व पश्चिमी नौसेना कमांडर

इसके अलावा, इंडियन आर्मी के दो सीनियर अधिकारियों को SYSM के लिए चुना गया।

2. उत्तम युद्ध सेवा पदक (UYSM)

वाइस एडमिरल तरुण सोबती – नौसेना स्टाफ के उप प्रमुख

3. युद्ध सेवा पदक (YSM) – युद्ध के दौरान विशिष्ट सेवा के लिए

तेरह भारतीय वायुसेना अधिकारी, जिनमें शामिल हैं,

1. एयर वाइस मार्शल जोसेफ सुआरेस
2. एयर वाइस मार्शल प्रजुअल सिंह
3. एयर कमोडोर अशोक राज ठाकुर

4. वायु सेना मेडल (VM) – हवाई ऑपरेशन में असाधारण साहस के लिए

26 अधिकारियों को सम्मानित किया गया, जैसे,

1. ग्रुप कैप्टन अंकुर हकीम
2. ग्रुप कैप्टन वरुण भोज (उड़ान)
3. विंग कमांडर मयंक पालीवाल (उड़ान)
4. स्क्वाड्रन लीडर कौस्तुभ नलवाडे (उड़ान)
5. फ्लाइट लेफ्टिनेंट ए. नवीन चंदर (प्रशासन/फाइटर कंट्रोलर)

5. वीर चक्र – असाधारण बहादुरी के कार्यों के लिए वीरता पुरस्कार

अधिकारियों को दिया गया, जिनमें शामिल हैं,

1. ग्रुप कैप्टन रणजीत सिंह सिद्धू
2. ग्रुप कैप्टन मनीष अरोड़ा
3. स्क्वाड्रन लीडर सार्थक कुमार
4. फ्लाइट लेफ्टिनेंट अर्शवीर सिंह ठाकुर

वीरता पुरस्कार 2025

14 अगस्त, 2025 को, भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इंडियन आर्म्ड फोर्सेज़ और सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज़ की बहादुरी और समर्पण को सम्मान देने के लिए कई बहादुरी और सेवा पुरस्कारों को औपचारिक रूप से मंज़ूरी दी। इनमें 127 बहादुरी

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

पुरस्कार, 40 खास सेवा पुरस्कार और 290 मेंशन -इनडिस्पैच शामिल हैं, जो ड्यूटी के दौरान असाधारण बहादुरी और सेवा को सम्मान देने के भारत के पक्के वादे को दिखाते हैं।

सर्वोत्तम युद्ध सेवा पदक

युद्ध के समय असाधारण सेवा के लिए सम्मानित,

1. लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा, उत्तरी कमान
2. लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, DGMO
3. वाइस एडमिरल संजय जसजीत सिंह, नौसेना
4. एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी, वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ
5. एयर मार्शल नागेश कपूर, एओसी-इन-सी दक्षिण पश्चिमी वायु कमान
6. एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा, एओसी-इन-सी पश्चिमी वायु कमान
7. एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती, वायु संचालन महानिदेशक

कीर्ति चक्र

दुश्मन के सामने के अलावा किसी और जगह पर शानदार बहादुरी के लिए दिया जाने वाला अवॉर्ड,

1. कैप्टन लालरिनावमा सैलो, 4 पैरा (स्पेशल फोर्सेज़), सेना
2. लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी, एएससी, सिक्किम स्काउट्स, सेना
3. लांस नायक मीनाची सुंदरम ए, आर्टिलरी रेजिमेंट, सेना
4. सिपाही जंजाल प्रवीण प्रभाकर, महार रेजिमेंट, सेना

वीर चक्र

दुश्मन की मौजूदगी में बहादुरी के कामों के लिए दिया गया,

1. कर्नल कोशांक लांबा, 302 मीडियम रेजिमेंट, सेना
2. लेफ्टिनेंट कर्नल सुशील बिष्ट, 1988 (स्वतंत्र) मीडियम बैटरी, सेना
3. नायब सूबेदार सतीश कुमार, 4 डोगरा, सेना
4. राइफलमैन सुनील कुमार, 4 जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फैंट्री, सेना

सिंदूर के दौरान उनकी बहादुरी के लिए नौ IAF फाइटर पायलटों को भी वीर चक्र से सम्मानित किया गया।

शौर्य चक्र

दुश्मन के सामने बहादुरी के अलावा,

1. लेफ्टिनेंट कर्नल नीतेश भारती शुक्ला, 19 सिख, सेना
2. मेजर भार्गव कलिता, कुमाऊं रेजिमेंट, सेना
3. मेजर आशीष कुमार, 7 पैरा (स्पेशल फोर्सेज), सेना
4. मेजर आदित्य प्रताप सिंह, असम राइफल्स, सेना
5. असिस्टेंट कमांडेंट मोहम्मद शफीक, असम राइफल्स, सेना
6. सूबेदार शमशेर सिंह, 4 पैरा (स्पेशल फोर्सेज़), सेना
7. लांस नायक राहुल सिंह, 4 पैरा (स्पेशल फोर्सेज), सेना
8. राइफलमैन भोज राम साहू, असम राइफल्स, सेना

युद्ध सेवा पदक

ऑपरेशनल संदर्भ में विशिष्ट सेवा के लिए,

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

1. मेजर जनरल संदीप सुदर्शन शारदा, सेना
2. ब्रिगेडियर राकेश नायर, सेना
3. ब्रिगेडियर विवेक गोयल, सेना
4. ब्रिगेडियर सुरजीत कुमार सिंह, सेना
5. ब्रिगेडियर सोनेंदर सिंह, सेना
6. ब्रिगेडियर विवेक पुरी, सेना
7. ब्रिगेडियर मुदित महाजन, सेना
8. सूबेदार विनोद कुमार, सेना
9. नायब सूबेदार रत्नेश्वर घोष, सेना

बीएसएफ वीरता पुरस्कार

सिंदूर के दौरान असाधारण बहादुरी के लिए बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के 16 जवानों को गैलेंट्री मेडल दिए गए।

भारतीय वायुसेना और मिसाइल प्रणाली पुरस्कार

सिंदूर में शामिल टॉप IAF अधिकारियों, फाइटर पायलटों और S -400 सिस्टम ऑपरेटरों को भी गैलेंट्री अवॉर्ड दिए गए।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025

शिक्षा मंत्रालय ने नेशनल टीचर्स अवॉर्ड्स 2025 के विजेताओं की घोषणा कर दी है। **देश भर से कुल 45 टीचर्स को** स्कूली शिक्षा में उनके शानदार योगदान के लिए चुना गया है। ये अवॉर्ड्स 5 सितंबर को दिए जाएंगे, जिसे भारत में टीचर्स डे के तौर पर मनाया जाता है।

राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पुरस्कार 2025

5 सितंबर, 2025 को टीचर्स डे सेलिब्रेशन के हिस्से के तौर पर होगी। हर साल, शिक्षा मंत्रालय देश के सबसे अच्छे शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए यह इवेंट आयोजित करता है।

टीचर का चुनाव कैसे हुआ?

मिनिस्ट्री ने बताया कि टीचर्स को डिस्ट्रिक्ट, स्टेट और नेशनल लेवल पर एक ट्रांसपेरेंट तीन-स्टेज ऑनलाइन प्रोसेस के ज़रिए चुना गया। सिलेक्शन उनके इनोवेटिव टीचिंग मेथड्स, डेडिकेशन और एजुकेशन की क्वालिटी को बेहतर बनाने में उनके रोल के आधार पर किया गया।

- **कुल पुरस्कार विजेता:** 45 शिक्षक
- **पुरुष शिक्षक** : 24
- **महिला शिक्षक** : 21
- **रिप्रेजेंटेशन** : 27 राज्य, 7 केंद्र शासित प्रदेश, और 6 नेशनल लेवल के संगठन

उच्चतम प्रतिनिधित्व वाले राज्य

लिस्ट में कुछ राज्यों में सबसे ज़्यादा टीचर थे:

- **उत्तर प्रदेश** : 2 शिक्षक
- **महाराष्ट्र** : 2 शिक्षक
- **मध्य प्रदेश** : 2 टीचर
- **बिहार** : 2 टीचर
- **गुजरात** : 2 टीचर

इससे पता चलता है कि देश भर के टीचर्स, जिनमें स्कूल और नेशनल ऑर्गनाइज़ेशन दोनों शामिल हैं, को उनके कामों के लिए पहचान मिली।

नेशनल टीचर्स डे अवॉर्ड्स 2025 के लिए चुने गए 45 टीचर्स की लिस्ट

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

शिक्षा मंत्रालय ने नेशनल टीचर्स अवॉर्ड्स 2025 की घोषणा की है, जिसमें पूरे भारत के 45 बेहतरीन टीचरों को सम्मानित किया जाएगा। तीन स्टेज के सही प्रोसेस से चुने गए ये टीचर स्कूल शिक्षा में अपने शानदार योगदान के लिए अलग-अलग राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और संगठनों को रिप्रेजेंट करते हैं।

नेशनल टीचर्स डे अवार्ड्स 2025 के लिए चुने गए टीचर्स की लिस्ट इस तरह है:

एस. नं.	नाम	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	स्कूल के नाम
1.	मदबाथुला थिरुमाला श्रीदेवी	आंध्र प्रदेश	पंडित नेहरू एमपीएल एचएस 17 वार्ड
2.	कंधन कुमारेसन	अंडमान और निकोबार	सरकारी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल एबरडीन
3.	नांग एकथानी मौंगलांग	अरुणाचल प्रदेश	सरकारी माध्यमिक विद्यालय पचिन
4.	देबाजीत घोष	असम	नामसांग टीई मॉडल स्कूल
5.	सोनिया विकास कपूर	परमाणु ऊर्जा शिक्षा सोसायटी	परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय नंबर 2
6.	कुमारी निधि	बिहार	प्राथमिक विद्यालय सुहागी
7.	दिलीप कुमार	बिहार	ललित नारायण लक्ष्मी नारायण प्रोजेक्ट गर्ल्स हाई स्कूल
8.	रेवती परमेश्वरन	सीबीएसई	पीएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल
9.	परवीन कुमारी	चंडीगढ़	सरकारी गर्ल्स मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल
10.	डॉ. प्रज्ञा सिंह	छत्तीसगढ	शासकीय मिडिल स्कूल हनोदा दुर्ग
11।	सुश्री मधुरिमा आचार्य	सीआईएससीई	दिल्ली पब्लिक स्कूल न्यूटाउन
12.	भाविनीबेन दिनेशभाई देसाई	दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	जीयूपीएस भेंसरोड
13.	अवधेश कुमार झा	दिल्ली	सर्वोदय को-एड विद्यालय सेक्टर-8 रोहिणी
14.	विलास रामनाथ सातारकर	गोवा	डॉ. के.बी. हेडगेवार हाई स्कूल कुजिरा बम्बोलिम गोवा
15.	हिरेनकुमार हसमुखभाई शर्मा	गुजरात	प्राथमिक विद्यालय वावडी
16.	हितेश कुमार प्रवीणचंद्र भुंडिया	गुजरात	श्री स्वामीनारायण गुरुकुल विद्यालय
17.	सुनीता	हरयाणा	पीएम श्री जीजीएसएसएस सोनीपत मुरथल अड्डा (3490)
18.	शशि पॉल	हिमाचल प्रदेश	सरकारी मॉडल सेंटर प्राइमरी स्कूल शमरोर
19.	कुलदीप गुप्ता	जम्मू और कश्मीर	सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जिंद्राह
20.	श्वेता शर्मा	झारखंड	सरकार एमएस विवेकानंद
21.	मधुसूदन के.एस.	कर्नाटक	सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय हिनाकल
22.	तरुण कुमार दाश	केंद्रीय विद्यालय संगठन	पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय कोरापुट
23.	किशोरकुमार एम.एस.	केरल	सरकारी व्यावसायिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय
24.	इब्राहिम एस	लक्षद्वीप	सरकारी जूनियर बेसिक स्कूल मूला एंड्रोथ

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

एस. नं.	नाम	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	स्कूल के नाम
25.	भेरूलाल ओसारा	मध्य प्रदेश	सरकारी ईपीईएस एमएस खेरिया सुसनेर
26.	शीला पटेल	मध्य प्रदेश	पीएस देवरान टपरिया पथरिया दमोह
27.	डॉ शेख मोहम्मद वाक़ियोद्दीन शेख हमीदोद्दीन	महाराष्ट्र	जिला परिषद हाई स्कूल अर्धपुर
28.	डॉ. संदीपन गुरुनाथ जगदाले	महाराष्ट्र	दयानंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स लातूर
29.	कोइजाम मचासन	मणिपुर	घड़ी उच्च प्राथमिक विद्यालय
30.	डॉ. हेइपोर यूनी बैंग	मेघालय	केबी मेमोरियल सेकेंडरी स्कूल वापुंग
31.	पेलेनो पेटेनिलहु	नगालैंड	जॉन गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल विश्वेमा
32.	संतोष कुमार चौरसिया	नवोदय विद्यालय समिति	पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय सलोरा जिला कोरबा
33.	बसंत कुमार राणा	ओडिशा	सरकारी एनयूपीएस कोंडेल
34.	वी रेक्स उर्फ राधाकृष्णन	पुदुचेरी	थिल्लैयाडी वल्लियमई सरकारी हाई स्कूल
35.	नरिंदर सिंह	पंजाब	सरकारी प्राथमिक विद्यालय जंडियाली
36.	नीलम यादव	राजस्थान	जीजीएसएसएस टपुकड़ा
37.	डॉ. प्रमोद कुमार	सैनिक स्कूल	सैनिक स्कूल नालंदा
38.	कर्मा टेम्पो एथेनपा	सिक्किम	प्रधानमंत्री श्री मंगन एसएसएस
39.	विजयलक्ष्मी वी	तमिलनाडु	भारतियार शताब्दी सरकारी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल
40.	मरम पवित्रा	तेलंगाना	जेडपीएचएस पेनपहाड़
41.	बिदिशा मजूमदार	त्रिपुरा	हरियानंद इंग्लिश मीडियम एचएस स्कूल
42.	मधुरिमा तिवारी	उत्तार प्रदेश।	पीएम श्री कम्पोजिट विद्यालय रानी कर्णावती
43.	राम लाल सिंह यादव	उत्तार प्रदेश।	यूपीएस बदवापुर
44.	मंजूबाला	उत्तराखंड	जीपीएस च्यूरानी
45.	तनुश्री दास	पश्चिम बंगाल	कुचलाचटी प्राथमिक विद्यालय

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण अवॉर्ड्स 2025 और वेटलैंड सिटीज़ रिकग्निशन सेरेमनी 9 सितंबर, 2025 को हुई, जिसमें भारत के सबसे इनोवेटिव और एनवायरनमेंट के लिए एक्टिव शहरी सेंटर्स को सम्मानित किया गया। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (NCAP) के तहत टॉप परफॉर्म करने वाले शहरों को सम्मानित किया और रामसर कन्वेंशन के तहत वेटलैंड सिटी एक्रेडिटेशन पाने के लिए इंदौर और उदयपुर को सम्मानित किया।

क्लीन एयर चैंपियंस: NCAP के तहत टॉप शहर

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2025 ने एयर क्वालिटी मेट्रिक्स और सस्टेनेबल तरीकों के आधार पर 130 NCAP शहरों में से 11 टॉप-परफॉर्मिंग शहरों को पहचाना। इन शहरों ने प्रदूषण कंट्रोल, ग्रीनिंग, ट्रांसपोर्ट इनोवेशन और वेस्ट मैनेजमेंट में बेहतरीन काम किया।

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

श्रेणी 1 (जनसंख्या > 10 लाख)

- **पहला:** इंदौर – स्कोर: 200/200; ₹1.5 करोड़ का इनाम
- **उपलब्धियां:** 16 लाख पेड़ लगाए गए, 120 इलेक्ट्रिक और 150 CNG बसें चलाई गईं
- **दूसरा:** जबलपुर – स्कोर: 199/200; ₹1 करोड़ का इनाम
- **उपलब्धियां:** 11 MW वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट
- **तीसरा:** आगरा और सूरत – स्कोर: 196/200; हर एक को ₹25 लाख
- **आगरा:** पुराने कचरे का समाधान, मियावाकी जंगल
- **सूरत:** EV इंसेंटिव, 38% ग्रीन कवर

श्रेणी 2 (जनसंख्या 3-10 लाख)

- **पहला:** अमरावती – स्कोर: 200/200; ₹75 लाख का इनाम
- **दूसरा:** झांसी और मुरादाबाद – स्कोर: 198.5/200; प्रत्येक को ₹25 लाख
- **तीसरा:** अलवर – स्कोर: 197.6/200; ₹25 लाख का इनाम

श्रेणी 3 (जनसंख्या < 3 लाख)

- **पहला:** देवास – स्कोर: 193/200; ₹37.5 लाख
- **दूसरा:** परवाणू – स्कोर: 191.5/200; ₹25 लाख
- **तीसरा:** अंगुल – स्कोर: 191/200; ₹12.5 लाख

इंदौर, जबलपुर, आगरा, सूरत, झांसी, देवास , मुरादाबाद और परवाणू जैसे कई शहर बार-बार विजेता रहे, जो साफ़ हवा के लिए लगातार कमिटमेंट को दिखाता है।

स्वच्छ वायु के लिए वित्तीय जुटाना

- एनसीएपी के तहत ₹20,130 करोड़ आवंटित
- वायु गुणवत्ता प्रदर्शन से जुड़े ₹13,237 करोड़
- केंद्र सरकार की योजनाओं (SBM-U, AMRUT, FAME-II) के ज़रिए ₹73,350 करोड़
- राज्य सरकारों और शहरी स्थानीय निकायों से ₹82,000 करोड़
- कुल जुटाए गए: 130 शहरों में ₹1.55 लाख करोड़

वेटलैंड शहरों की पहचान: रामसर मान्यता

रामसर कन्वेंशन की वेटलैंड सिटी एक्रेडिटेशन स्कीम के तहत दो भारतीय शहरों को ग्लोबल सम्मान मिला।

- इंदौर – बेहतरीन शहरी वेटलैंड मैनेजमेंट के लिए
- उदयपुर – झीलों के संरक्षण और इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए
- भारत में अब 91 रामसर साइट हैं, जो 2014 में 25 थीं। यह एशिया में सबसे ज़्यादा और दुनिया में तीसरी सबसे ज़्यादा है, जो 1.36 मिलियन हेक्टेयर में फैली हुई हैं।

वृत्ताकार अर्थव्यवस्था और पर्यावरण पहल

- लीनियर वेस्ट डिस्पोज़ल के बजाय रीयूज़-रीसायकल पर ज़ोर
- शहरों को सर्कुलर इकोनॉमी फ्रेमवर्क अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया
- एक पेड़ माँ के नाम के तहत सेवा पर्व (17 सितंबर – 2 अक्टूबर) के दौरान 75 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य
- नगर वन योजना के तहत 75 नगर वन बनाए जाएंगे

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार 2024

26 सितंबर, 2025 को, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन कल्चरल सेंटर में नेशनल जियोसाइंस अवार्ड्स 2024 दिए। इसमें मिनरल एक्सप्लोरेशन, एप्लाइड जियोसाइंस और एनवायर्नमेंटल सस्टेनेबिलिटी में शानदार योगदान के लिए 20 जाने-माने जियोसाइंटिस्ट को सम्मानित किया गया। ये अवार्ड्स, जो 1966 में मिनिस्ट्री ऑफ़ माइंस ने शुरू किए थे, भारत के जियोसाइंटिफिक इकोसिस्टम में इनोवेशन और एक्सीलेंस को सम्मान देते हैं । इस सेरेमनी में यूनियन मिनिस्टर जी. किशन रेड्डी, मिनिस्ट्री सेक्रेटरी पीयूष गोयल और GSI के डायरेक्टर जनरल असित साहा शामिल हुए।

पुरस्कार श्रेणियाँ और मुख्य प्राप्तकर्ता

इस साल तीन कैटेगरी में 12 अवॉर्ड दिए गए।

1. नेशनल जियोसाइंस अवार्ड फॉर लाइफटाइम अचीवमेंट 2024

- **प्राप्तकर्ता:** प्रो. श्याम सुंदर राय
- **संबद्धता:** INSA में सीनियर साइंटिस्ट और IISER पुणे में विजिटिंग प्रोफेसर
- **योगदान:** सॉलिड अर्थ और एक्सप्लोरेशन जियोफिजिक्स में पायनियरिंग काम, खासकर पेनिनसुलर इंडिया, हिमालय और लद्दाख में सीस्मोलॉजिकल स्टडीज़।

2. राष्ट्रीय युवा भू-वैज्ञानिक पुरस्कार 2024

- **प्राप्तकर्ता:** श्री सुशोभन नियोगी
- **संबद्धता:** सीनियर जियोलॉजिस्ट, जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया (GSI)
- **काम:** मेघालय, झारखंड और बुंदेलखंड क्रेटन में थ्रस्ट बेल्ट के टेक्टोनिक विकास पर एडवांस्ड रिसर्च, मिनरल जेनेसिस और सुपरकॉन्टिनेंट असेंबली को समझने में मदद करना।

3. नेशनल जियोसाइंस अवार्ड्स (10 अवार्ड्स)

- माइनिंग टेक्नोलॉजी, एप्लाइड जियोसाइंस, ग्राउंडवॉटर स्टडीज़ और स्ट्रेटेजिक मिनरल्स की खोज में योगदान को पहचान देना।

"मेरा भारत – एनएसएस" पुरस्कार 2022 -23

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में साल 2022-23 के लिए माई भारत – नेशनल सर्विस स्कीम (NSS) अवॉर्ड दिए -। इस सेरेमनी में स्टूडेंट्स, प्रोग्राम ऑफिसर्स और इंस्टीट्यूशन्स को वॉलंटरी सर्विस और देश -बनाने में उनके खास योगदान के लिए सम्मानित किया गया ।

NSS की पृष्ठभूमि और "मेरा भारत" पुरस्कार

एनएसएस की उत्पत्ति और उद्देश्य

- नेशनल सर्विस स्कीम (NSS) 1969 में महात्मा गांधी की जन्म शताब्दी के मौके पर शुरू की गई थी, ताकि कम्युनिटी सर्विस और पर्सनैलिटी बिल्डिंग में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा दिया जा सके।
- इसका आदर्श वाक्य है "मैं नहीं, बल्कि आप" (हिंदी में: स्वयं से पहले आप), निस्वार्थ सेवा भावना को दर्शाता है।
- NSS स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी में काम करता है। हर यूनिट आम तौर पर एक गांव या झुग्गी-झोपड़ी वाला इलाका गोद लेती है और -अपने दो -साल के साइकिल के दौरान रेगुलर एक्टिविटी (120 घंटे/साल) और 7 दिन का स्पेशल कैंप करती है।

मेरा भारत – एनएसएस पुरस्कार

- मेरा भारत – एनएसएस पुरस्कार 1993-94 में युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया -था ।
- इसका मकसद समाज सेवा और कम्युनिटी डेवलपमेंट के क्षेत्र में NSS वॉलंटियर्स, प्रोग्राम ऑफिसर्स, यूनिट्स और यूनिवर्सिटीज़ के शानदार योगदान को पहचान देना है।

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

- अवॉर्ड हर साल दिए जाते हैं और इनमें कई कैटेगरी शामिल हैं: वॉलंटियर, प्रोग्राम ऑफिसर, NSS यूनिट, और इंस्टीट्यूशन/यूनिवर्सिटी।

2022-23 पुरस्कार समारोह की मुख्य बातें

- राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने खुद राष्ट्रपति भवन में ये अवॉर्ड दिए।
- हालांकि ऑफिशियल प्रेस रिलीज़ (अभी तक) में 2022-23 के सभी अवॉर्ड पाने वालों के नाम लिस्ट नहीं हैं -, लेकिन यह बेहतरीन युवा सेवा के लिए सम्मान देने की परंपरा को जारी रखती है ।
- एक कन्फर्म्ड अवार्डी श्री सागर रॉय हैं, जो DAV कॉलेज, चंडीगढ़ के NSS वॉलंटियर हैं, जिन्हें 2022-23 के लिए नेशनल NSS अवार्ड दिया गया -।

पात्रता और चयन मानदंड

- NSS अवॉर्ड की गाइडलाइंस के मुताबिक, जिस फाइनेंशियल ईयर पर विचार किया जा रहा है, उसकी आखिरी तारीख तक वॉलंटियर की उम्र 25 साल (SC/ST के लिए 28 साल) से ज़्यादा नहीं होनी चाहिए।
- नॉमिनेशन कई स्टेज में किया जाता है: इंस्टिट्यूशन → स्टेट/UT लेवल → नेशनल लेवल।
- यह मूल्यांकन काम की निरंतरता, कम्युनिटी सर्विस में असर, इनोवेशन और NSS के आदर्शों के प्रति कमिटमेंट पर आधारित है।

राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार 2025

भारत सरकार ने राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार 2025 के विजेताओं की घोषणा की है। यह विज्ञान, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में योगदान के लिए देश का सबसे बड़ा नागरिक सम्मान है । अलग-अलग वैज्ञानिक क्षेत्रों में बेहतरीन काम को सेलिब्रेट करने के लिए शुरू किए गए इन पुरस्कारों का मकसद भारत में रिसर्च और इनोवेशन के कल्चर को बढ़ावा देना है।

पुरस्कार श्रेणियाँ

राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार चार मुख्य कैटेगरी में दिए जाते हैं,

- विज्ञान रत्न – विज्ञान में जीवन भर की उपलब्धियों के लिए
- विज्ञान श्री – असाधारण व्यक्तिगत योगदान के लिए
- विज्ञान युवा-शांति स्वरूप भटनागर – युवा वैज्ञानिकों के लिए (45 साल से कम)
- विज्ञान टीम अवार्ड – सहयोगात्मक अनुसंधान प्रयासों के लिए

2025 के सम्मानित व्यक्ति

विज्ञान रत्न (मरणोपरांत)

- **प्रो. जयंत विष्णु नार्लीकर** - भौतिकी में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए मरणोपरांत सम्मानित किया गया।

विज्ञान श्री पुरस्कार विजेता

कई क्षेत्रों में मान्यता प्राप्त ,

- डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह – कृषि विज्ञान
- डॉ. यूसुफ मोहम्मद शेख – परमाणु ऊर्जा
- डॉ. के. थंगराज – जैविक विज्ञान
- प्रो. प्रदीप थलप्पिल – रसायन विज्ञान
- प्रो. अनिरुद्ध भालचंद्र पंडित – इंजीनियरिंग विज्ञान
- डॉ. एस. वेंकट मोहन – पर्यावरण विज्ञान
- प्रो. महान एमजे – गणित और कंप्यूटर विज्ञान
- श्री जयन एन – अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

विज्ञान युवा-शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार

युवा और उभरते वैज्ञानिकों को दिया जाने वाला पुरस्कार,

- डॉ. जगदीस गुप्ता कपुगंती, डॉ. सतेंद्र कुमार मंगरौठिया, श्री देबरका सेनगुप्ता, डॉ. दीपा अगाशे, डॉ. दिव्येंदु दास, डॉ. वलीउर रहमान, प्रो. अर्काप्रभा बसु, प्रो. सब्यसाची मुखर्जी, प्रो. श्वेता प्रेम अग्रवाल, डॉ. सुरेश कुमार, प्रो. अमित कुमार अग्रवाल, प्रो. सुरहुद श्रीकांत मोरे, श्री अंकुर गर्ग, प्रो. मोहनशंकर शिवप्रकाशम

विज्ञान टीम पुरस्कार

- CSIR एरोमा मिशन टीम – एग्रीकल्चरल साइंस में उनके बेहतरीन काम के लिए पहचानी गई ।

पुरस्कार का दायरा और महत्व

ये अवॉर्ड 13 साइंटिफिक डोमेन में हैं,

- भौतिकी, रसायन विज्ञान, जैविक विज्ञान
- गणित और कंप्यूटर विज्ञान
- चिकित्सा, इंजीनियरिंग
- कृषि एवं पर्यावरण विज्ञान
- परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष विज्ञान
- प्रौद्योगिकी और नवाचार
- 2025 के अवार्ड्स के लिए नॉमिनेशन 4 अक्टूबर से 17 नवंबर, 2024 तक नेशनल अवार्ड्स पोर्टल के ज़रिए लिए गए।

यह पहचान साइंटिफिक एक्सीलेंस और इनोवेशन से होने वाली ग्रोथ को बढ़ावा देने के भारत के कमिटमेंट को दिखाती है। अवॉर्ड सेरेमनी की डिटेल्स जल्द ही अनाउंस की जाएंगी।

6वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार

6वें नेशनल वॉटर अवॉर्ड्स (NWA) 2024 की घोषणा केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सीआर पाटिल ने 11 नवंबर, 2025 को श्रम शक्ति भवन, नई दिल्ली में की। जल शक्ति मंत्रालय के तहत जल संसाधन, नदी विकास और गंगा कायाकल्प विभाग (DoWR , RD & GR) द्वारा शुरू किए गए ये प्रतिष्ठित अवॉर्ड्स, पानी के संरक्षण, मैनेजमेंट और सस्टेनेबल तरीकों में असाधारण योगदान को पहचान देते हैं।

अवॉर्ड सेरेमनी 18 नवंबर, 2025 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में होगी, जहाँ भारत की माननीय राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, बेस्ट स्टेट, डिस्ट्रिक्ट, विलेज पंचायत, अर्बन लोकल बॉडी, इंस्टीट्यूशन, इंडस्ट्री वगैरह समेत 10 कैटेगरी में 46 विजेताओं को अवॉर्ड देंगी।

राष्ट्रीय जल पुरस्कारों के बारे में

2018 में शुरू हुए नेशनल वॉटर अवार्ड्स का मकसद लोगों, ऑर्गनाइज़ेशन और इंस्टीट्यूशन को नए और असरदार वॉटर मैनेजमेंट के तरीके अपनाने और 'जल समृद्ध भारत' बनाने में मदद करने के लिए बढ़ावा देना है।

छठे एडिशन (2024) में गृह मंत्रालय के राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के ज़रिए 751 एप्लीकेशन जमा किए गए। सेंट्रल वॉटर कमीशन (CWC) और सेंट्रल ग्राउंड वॉटर बोर्ड (CGWB) के इवैल्यूएशन और फील्ड वेरिफिकेशन के बाद, जॉइंट विनर समेत 46 विनर चुने गए।

मुख्य बातें

- **कुल विजेता:** 46 (संयुक्त विजेताओं सहित)
- **कैटेगरी:** 10
- **सर्वश्रेष्ठ राज्य:** महाराष्ट्र
- **पुरस्कार समारोह:** 18 नवंबर, 2025
- **मुख्य अतिथि:** भारत की माननीय राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू
- **स्थान:** प्लेनरी हॉल, विज्ञान भवन, नई दिल्ली

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

- **आयोजक:** जल शक्ति मंत्रालय (DoWR , RD & GR)

विजेताओं की सूची – 6th National Water Awards 2024

1. सर्वश्रेष्ठ राज्य

रैंक	विजेता	राज्य
1	महाराष्ट्र	महाराष्ट्र
2	गुजरात	गुजरात
3	हरयाणा	हरयाणा

2. सर्वश्रेष्ठ जिला

क्षेत्र	ज़िला	राज्य	रैंक
पूर्वी क्षेत्र	राजनंदगांव	छत्तीसगढ	1
पश्चिम क्षेत्र	खरगोन	मध्य प्रदेश	1
दक्षिण क्षेत्र	तिरुनेलवेली	तमिलनाडु	1
उत्तरी क्षेत्र	मिर्जापुर	उतार प्रदेश।	1
उत्तर पूर्व क्षेत्र	सिपाहीजाला	त्रिपुरा	1

3. सर्वश्रेष्ठ शहरी स्थानीय निकाय (ULB)

रैंक	शहरी स्थानीय निकाय	राज्य
1	नवी मुंबई	महाराष्ट्र
2	भावनगर	गुजरात
तीसरा (संयुक्त)	नवदिगंता औद्योगिक टाउनशिप	पश्चिम बंगाल
तीसरा (संयुक्त)	आगरा	उतार प्रदेश।

4. सबसे अच्छा संस्थान (स्कूल/कॉलेज के अलावा)

कैंपस के अंदर की कैटेगरी

रैंक	संस्था	राज्य
प्रथम (संयुक्त)	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर	गुजरात
प्रथम (संयुक्त)	आईसीएआर-केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान	गोवा
दूसरा (संयुक्त)	बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी	राजस्थान
दूसरा (संयुक्त)	इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, अवंतीपोरा	जम्मू और कश्मीर
विशेष उल्लेख	असम राइफल्स	मणिपुर

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

कैंपस के बाहर की श्रेणी

रैंक	संस्था	राज्य
प्रथम (संयुक्त)	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार	हरयाणा
प्रथम (संयुक्त)	क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक, बरहामपुर सर्कल	ओडिशा

5. बेस्ट वाटर यूजर एसोसिएशन (WUA)

रैंक	संगठन	राज्य
1	वेट्टाइकरनपुदुर नहर ओदयाकुलम गांव WUA, कोयंबटूर	तमिलनाडु
2	कनीफनाथ WUA, नासिक	महाराष्ट्र
3	खरलान डब्ल्यूयूए, श्री गंगानगर	राजस्थान

6. सर्वश्रेष्ठ नागरिक समाज

रैंक	संगठनों	राज्य
1	बनासकांठा जिला सहकारी दूध उत्पादक संघ लिमिटेड.	गुजरात
2	अंबुजा फाउंडेशन	राजस्थान
3	जीने की कला	कर्नाटक

7. सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत

रैंक	ग्राम पंचायत	जिला/राज्य
प्रथम (संयुक्त)	दुब्बिगनिपल्ली	अन्नामय्या , आंध्र प्रदेश
प्रथम (संयुक्त)	पयम	कन्नूर, केरल
दूसरा (संयुक्त)	कवेश्वर	खंडवा, मध्य प्रदेश
दूसरा (संयुक्त)	मुरुगुम्मी	प्रकाशम, आंध्र प्रदेश
तीसरा (संयुक्त)	बालापुरम	तिरुवल्लूर, तमिलनाडु
तीसरा (संयुक्त)	डुमरपानी	कांकेर , छत्तीसगढ़

8. सबसे अच्छा स्कूल या कॉलेज

रैंक	संस्था	राज्य
प्रथम (संयुक्त)	कृष्णा पब्लिक स्कूल, रायपुर	छत्तीसगढ
प्रथम (संयुक्त)	आर्मी पब्लिक स्कूल, कोलकाता	पश्चिम बंगाल
दूसरा बीएचएसएस,	ज़ैनाकोट , श्रीनगर	जम्मू और कश्मीर
तीसरा (संयुक्त)	मालुसांता गवर्नमेंट नोडल हायर सेकेंडरी स्कूल, दमनजोड़ी , कोरापुट	ओडिशा
तीसरा (संयुक्त)	झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय (जेबीएवी), राहे, रांची	झारखंड
विशेष उल्लेख	माउंट आबू पब्लिक स्कूल, रोहिणी	दिल्ली

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

रैंक	संस्था	राज्य
विशेष उल्लेख	महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल, अशोक विहार	दिल्ली
विशेष उल्लेख	महात्मा गांधी मेमोरियल मॉडल स्कूल, तिरुवनंतपुरम	केरल

9. सर्वश्रेष्ठ उद्योग

रैंक	उद्योग	राज्य
1	अपोलो टायर्स लिमिटेड, कांचीपुरम	तमिलनाडु
2	हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड, गुरुग्राम	हरयाणा
3	झज्जर पावर लिमिटेड, झज्जर	हरयाणा

10. जल क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति

क्षेत्र	नाम/राज्य	रैंक
पूर्वी क्षेत्र	श्री किशोर जायसवाल/बिहार	1
पश्चिम क्षेत्र	श्री बजरंग लाल जैथू /राजस्थान	1
उत्तरी क्षेत्र	श्री मोहन चंद्र कांडपाल/उत्तराखंड	1
दक्षिण क्षेत्र	श्री पोडिली राजशेखर राजू/आंध्र प्रदेश	1

पद्म पुरस्कार 2026

जैसे-जैसे भारत पद्म अवॉर्ड्स 2026 के लिए तैयार हो रहा है, कई टॉप खिलाड़ियों और भारतीय खेलों में योगदान देने वालों को देश के सबसे बड़े नागरिक सम्मान के लिए नॉमिनेट किया गया है । इस लिस्ट में ओलंपिक चैंपियन, स्पोर्ट्स एडमिनिस्ट्रेटर और मेडिकल एक्सपर्ट शामिल हैं—हर कोई ग्लोबल स्टेज पर भारत की स्पोर्ट्स जर्नी को आकार देने में अहम भूमिका निभा रहा है।

पद्म विभूषण नॉमिनेशन: भारत के सबसे बेहतरीन स्पोर्टिंग आइकॉन

भारत के दूसरे सबसे बड़े सिविलियन अवॉर्ड, पद्म विभूषण, को भारतीय खेलों के दो महान खिलाड़ियों के लिए रिकमेंड किया गया है,

अभिनव बिंद्रा

- भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता (बीजिंग 2008 – 10m एयर राइफल)
- पांच बार के ओलंपियन
- इससे पहले पद्म भूषण (2009) से सम्मानित
- भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) द्वारा अनुशंसित

लिएंडर पेस

- डबल्स में 18 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन
- ब्रॉन्ज़ मेडलिस्ट – भारत के इकलौते ओलंपिक टेनिस मेडलिस्ट
- पूर्व पद्म श्री (2001) और पद्म भूषण (2014) प्राप्तकर्ता
- अखिल भारतीय टेनिस संघ (AITA) द्वारा अनुशंसित

अगर उन्हें यह सम्मान मिलता है, तो वे पद्म विभूषण पाने वाले पांचवें और छठे खिलाड़ी बन जाएंगे, और विश्वनाथन आनंद, सचिन तेंदुलकर, सर एडमंड हिलेरी और एमसी मैरी कॉम की लिस्ट में शामिल हो जाएंगे।

पद्म भूषण नॉमिनीज़: मॉडर्न एक्सीलेंस का जश्न

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

नीरज चोपड़ा

- टोक्यो 2020 ओलंपिक में भाला फेंक में स्वर्ण पदक विजेता
- वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप और डायमंड लीग फाइनल्स के विजेता
- इससे पहले पद्म श्री (2022) से सम्मानित
- SAI द्वारा अनुशंसित

गगन नारंग

- लंदन 2012 में शूटिंग में कांस्य पदक विजेता
- राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में कई पदक विजेता
- 2011 में पद्म श्री पुरस्कार विजेता
- भारतीय शूटिंग में लंबे समय से योगदान के लिए सम्मानित

पद्म श्री नॉमिनीज़: उभरते सितारे और योगदान देने वाले

मनु भाकर

- पेरिस 2024 ओलंपिक में दो कांस्य पदक विजेता
- 10m एयर पिस्टल इवेंट में ऐतिहासिक उपलब्धि
- भारत की सबसे युवा निशानेबाज़ों में से एक

हरमनप्रीत सिंह

- भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान
- पेरिस 2024 ओलंपिक में टीम को कांस्य पदक दिलाया
- भारत में हॉकी के पुनरुत्थान में अहम भूमिका निभाने वाले

रणधीर सिंह

- पूर्व ओलंपिक शूटर और एशियाई ओलंपिक परिषद के वर्तमान अध्यक्ष
- अनुभवी खेल प्रशासक

डॉ. दिनशॉ पारदीवाला

- जाने-माने स्पोर्ट्स इंजरी एक्सपर्ट और ऑर्थोपेडिक सर्जन
- अलग-अलग फील्ड के टॉप एथलीटों का इलाज करने के लिए जाने जाते हैं

वीरेन रस्किन्हा

- भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान
- ओलंपिक गोल्ड क्वेस्ट में स्पोर्ट्स डेवलपमेंट और लीडरशिप में अपनी भूमिका के लिए जाने जाते हैं

संदीप प्रधान

- भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) के पूर्व महानिदेशक
- खेलो इंडिया प्रोग्राम को लागू करने और टैलेंट डेवलपमेंट में अहम भूमिका निभाई

बाल साहित्य पुरस्कार 2025

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार 2025 की ऑफिशियल घोषणा की गई, जिसमें 24 भारतीय भाषाओं के बच्चों के साहित्य के लेखकों की क्रिएटिव प्रतिभा को सम्मानित किया जाएगा। ये पुरस्कार 14 नवंबर 2025—बाल दिवस—को नई दिल्ली के त्रिवेणी ऑडिटोरियम में एक समारोह में दिए जाएंगे, जो युवा पाठकों के लिए सांस्कृतिक रूप से जुड़ी और अलग-अलग तरह की कहानी कहने को बढ़ावा देने के अकादमी के कमिटमेंट को दिखाता है।

बाल साहित्य पुरस्कार 2025 समारोह की मुख्य बातें

अवॉर्ड सेरेमनी की अध्यक्षता साहित्य अकादमी के प्रेसिडेंट माधव कौशिक करेंगे । जानी-मानी गुजराती राइटर वर्षा दास चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल होंगी, जबकि अकादमी की वाइस प्रेसिडेंट कुमुद शर्मा धन्यवाद प्रस्ताव देंगी। वेलकम एड्रेस साहित्य अकादमी की सेक्रेटरी पल्लवी प्रशांत होलकर देंगी ।

हर अवॉर्डी को अपनी-अपनी भाषाओं में बच्चों के साहित्य को बेहतर बनाने में उनके योगदान के लिए ₹50,000 कैश प्राइज़ और एक ब्रॉन्ज़ प्लाक मिलेगा।

बाल साहित्य पुरस्कार 2025: भाषा के हिसाब से विजेताओं की पूरी लिस्ट

- **असमिया** – मैनाहंतर पद्य (कविता), सुरेन्द्र मोहन दास
- **बंगाली** – एखोनो गए कांता दये (कहानियाँ), त्रिदिब कुमार चट्टोपाध्याय
- **बोडो** – खांथी बीडब्ल्यूएसडब्ल्यूएन Arw Akhu Danai (Stories), Binay Kumar Brahma
- **डोगरी** – नन्ही तोर (कविता), पी.एल. परिहार 'शौक'
- **दक्षिण** : दक्षिण भारतीय मिथक और दंतकथाएँ फिर से सुनाई गईं (कहानियाँ), नितिन कुशालप्पा सांसद
- **गुजराती** – तिंचक (कविता), कीर्तिदा ब्रह्मभट्ट
- **हिंदी** – एक बटे बारह (नॉन-फिक्शन और संस्मरण), सुशील शुक्ला
- **कन्नड़** – नोटबुक (छोटी कहानियाँ), के. शिवलिंगप्पा हंडीहाल
- **कश्मीरी** – शूर ते त्चुरे ग्यूश (लघु कथाएँ), इज़हार मुबाशिर
- **कोंकणी** – बेलाबाईचो शंकर अनी हीर कान्यो (कहानियाँ), नयना अदारकर
- **मैथिली** – चुक्का (लघु कथाएँ), मुन्नी कामत
- **मलयालम** – Penguinukalude वंकाराविल (उपन्यास), श्रीजीत मूठेदथ
- **मणिपुरी** – अंगंगशिंग -गी शन्नाबुंगशिदा (नाटक), शान्तो एम.
- **मराठी** – अभयमाया (कविता), सुरेश गोविंदराव सावंत
- **नेपाली** – शांति वन (उपन्यास), संगमू लेप्चा
- **ओड़िया** – केटे फूला फुतिची (कविता), राजकिशोर परही
- **पंजाबी** – जड्डू पत्ता (उपन्यास), पाली खादिम (अमृत पाल सिंह)
- **राजस्थानी** – पंखेरूव नी पीड़ा (नाटक), भोगीलाल पाटीदार
- **संस्कृत** – बलविश्वम (कविता), प्रीति आर. पुजारा
- **संताली** – सोना मिरु-अग संदेश (कविता), हरलाल मुर्मू
- **सिंधी** – आसमानी परी (कविता), हीना अगनानी 'हीर'
- **तमिल** – ओट्ट्राई सिरगु ओविया (उपन्यास), विष्णुपुरम सर्वनन
- **तेलुगु** – कबुरला देवाथा (कहानी), गंगिसेट्टी शिवकुमार
- **उर्दू** – कौमी सितारे (लेख), ग़ज़नफ़र इक़बाल

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

अवार्ड पाने वालों का मिलन: 15 नवंबर को साहित्यिक विचार

अवॉर्ड सेरेमनी के बाद, 15 नवंबर 2025 को रवींद्र भवन ऑडिटोरियम, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली में एक अवॉर्डी मीट होगी। वाइस प्रेसिडेंट कुमुद शर्मा की अध्यक्षता में, यह मीटिंग अवॉर्डी को उनकी क्रिएटिव जर्नी, इंस्पिरेशन और लिटरेरी कंट्रीब्यूशन पर चर्चा करने के लिए एक प्लेटफॉर्म देगी।

यह क्यों ज़रूरी है: विविधता और सांस्कृतिक शिक्षा को बढ़ावा देना

बाल साहित्य पुरस्कार एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है,

- क्षेत्रीय भाषा के लेखकों को पहचान दें
- भारतीय संस्कृति से जुड़े बच्चों के साहित्य को बढ़ावा दें
- साहित्यिक विविधता और बहुभाषावाद को बढ़ावा देना
- युवा पाठकों और उभरते लेखकों को प्रेरित करें
- यह सालाना पहल युवा पीढ़ी के लिए शिक्षा, मूल्यों और कल्पना में साहित्य की भूमिका को बढ़ाती है।

56वां भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2025

इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (IFFI) का 56वां एडिशन 20 से 28 नवंबर, 2025 तक गोवा में होगा। यह 1952 से साउथ एशिया का एकमात्र FIAPF-एक्रेडिटेड कॉम्पिटिटिव फिल्म फेस्टिवल होने की अपनी परंपरा को जारी रखेगा। 81 देशों की 240 फिल्मों के साथ, इस साल का एडिशन कल्चर, कहानी कहने के तरीके, इनोवेशन और सिनेमा की बेहतरीन कला का एक शानदार संगम होने का वादा करता है।

वैश्विक साझेदारी का जश्न

IFFI 2025 स्वागत करके अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को गहरा करता है,

- जापान को फोकस देश के तौर पर दिखाया गया, जिसमें छह आज की जापानी फिल्में दिखाई गईं।
- भागीदार देश के रूप में स्पेन
- ऑस्ट्रेलिया स्पॉटलाइट देश के रूप में

ये एसोसिएशन क्यूरेटेड फिल्म पैकेज, कल्चरल प्रोग्राम और इंस्टीट्यूशनल टाई-अप लाते हैं, जिससे IFFI का सिनेमा डिप्लोमेसी के लिए ग्लोबल हब के तौर पर स्टेटस बढ़ता है।

IFFI की यात्रा: यादें और विकास

1952 में शुरू हुआ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ़ इंडिया (IFFI) भारत की सिनेमा की उम्मीदों, कल्चरल पहुंच और आज़ादी के बाद की पहचान का प्रतीक है। एशिया के सबसे पुराने और सबसे मशहूर फिल्म फेस्टिवल के तौर पर, IFFI ने मुंबई से अपनी शुरुआत की और यह एक वाइब्रेंट ग्लोबल प्लेटफॉर्म बन गया है, जिसे अभी हर साल गोवा में होस्ट किया जाता है।

शुरुआती साल: सिनेमा के ज़रिए एकता का एक नज़रिया

IFFI का पहला एडिशन 24 जनवरी से 1 फरवरी, 1952 तक मुंबई में हुआ था, जिसमें दुनिया भर की करीब 40 फीचर फिल्में और 100 शॉर्ट फिल्में दिखाई गईं। भारत सरकार के फिल्म्स डिवीज़न द्वारा ऑर्गनाइज़ किए गए इस फेस्टिवल में भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के आदर्शों - न्याय, स्वतंत्रता, समानता, अहिंसा और विविधता में एकता - को दिखाया गया।

यह वसुधैव कुटुम्बकम के भारतीय लोकाचार का प्रतीक था । कुटुम्बकम ("पूरी दुनिया एक परिवार है"), शांतिपूर्ण साथ रहने और आपसी समझ में सिनेमा की भूमिका को दिखाता है।

इसके बाद यह फेस्टिवल मद्रास (चेन्नई), दिल्ली और कलकत्ता (कोलकाता) में घूमा, जिससे भारत ग्लोबल फिल्म सर्किट का हिस्सा बन गया।

IFFI के विकास में प्रमुख मील के पत्थर

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

1965: तीसरे एडिशन से यह एक कॉम्पिटिटिव फेस्टिवल बन गया।

1975: हर दूसरे साल नॉन-कॉम्पिटिटिव फेस्टिवल फिल्मोत्सव की शुरुआत हुई।

2004: IFFI को गोवा में पक्का घर मिला, जिसे NFDC, सूचना और प्रसारण मंत्रालय और एंटरटेनमेंट सोसाइटी ऑफ़ गोवा (ESG) ने मिलकर ऑर्गनाइज़ किया ।

आज, IFFI साउथ एशिया का इकलौता FIAPF-एक्रेडिटेड कॉम्पिटिटिव फिल्म फेस्टिवल है, जो वर्ल्ड सिनेमा और इंडियन टैलेंट दोनों को दिखाता है।

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं और प्रीमियर

- **कुल फ़िल्में:** 240+
- **भाग लेने वाले देश:** 81
- **वर्ल्ड प्रीमियर:** 13
- **इंटरनेशनल प्रीमियर:** 5
- **एशियाई प्रीमियर:** 44
- **ओपनिंग फिल्म:** द ब्लू ट्रेल, ब्राज़ीलियन डायरेक्टर गैब्रियल मस्कारो की

गाला प्रीमियर सेगमेंट में 18 एक्सक्लूसिव स्क्रीनिंग होंगी, जिसमें दुनिया भर के फिल्ममेकर्स और स्टार्स का रेड कार्पेट पर स्वागत होगा।

प्रतियोगिताएं और क्यूरेटेड सेगमेंट

तीन इंटरनेशनल कॉम्पिटिशन में पांच कॉन्टिनेंट्स की 32 चुनी हुई फिल्में दिखाई जाएंगी, साथ ही कान्स, TIFF, बर्लिनेल और वेनिस जैसे जाने-माने फेस्टिवल्स से भी एंट्री आएंगी।

IFFI 15 क्यूरेटेड और प्रतिस्पर्धी सेगमेंट भी प्रस्तुत करता है, जिनमें शामिल हैं,

- डॉक्यू-मोंटाज
- त्योहारों से
- भयानक सपने
- यूनिसेफ सिनेमा
- पुनर्स्थापित क्लासिक्स
- प्रयोगात्मक फ़िल्में

बेस्ट डेब्यू फीचर, ICFT-UNESCO गांधी मेडल, और भी बहुत कुछ

महापुरुषों और मील के पत्थरों का सम्मान

शताब्दी श्रद्धांजलि

- गुरु दत्त, राज खोसला, ऋत्विक घटक, पी. भानुमति, भूपेन हजारिका, सलिल चौधरी

रजनीकांत की स्वर्ण जयंती

- सिनेमा की बेहतरीन फिल्मों के 50 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए, एक्टर रजनीकांत को भारतीय सिनेमा में उनके बेमिसाल योगदान के लिए क्लोजिंग सेरेमनी में सम्मानित किया जाएगा।

भारतीय परिदृश्य और नई आवाज़ें

इंडियन पैनोरमा 2025 में शामिल होंगे,

- 25 फीचर फिल्में
- 20 गैर-फीचर फिल्में

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

- 5 पहली फ़िल्में

ओपनिंग फ़ीचर: अमरन (तमिल)

ओपनिंग नॉन-फीचर: काकोरी

50 से ज़्यादा डेब्यू काम और महिलाओं की फ़िल्में दिखाई जाएंगी, जो सबको साथ लेकर चलने और नए टैलेंट के लिए IFFI के कमिटमेंट को और मज़बूत करेंगी। अवॉर्ड्स में शामिल हैं,

- बेस्ट डेब्यू इंडियन डायरेक्टर के लिए ₹5 लाख
- बेस्ट वेब सीरीज़ के लिए ₹10 लाख

CMOT और क्रिएटिव शोकेस

क्रिएटिव माइंड्स ऑफ़ टुमॉरो (CMOT) प्लेटफ़ॉर्म ने 799 एंट्री में से 124 युवा प्रोफ़ेशनल्स को चुना है, जो फ़िल्म से जुड़े 13 क्राफ्ट्स में वर्कशॉप और कॉम्पिटिशन में हिस्सा लेंगे। 48 घंटे का शॉर्ट्सटीवी फ़िल्ममेकिंग चैलेंज एक बड़े इवेंट के तौर पर वापस आ रहा है।

मास्टरक्लास और ज्ञान श्रृंखला

21 मास्टरक्लास और पैनल में फिल्म के दिग्गज और इंडस्ट्री के लीडर शामिल होंगे, जिनमें शामिल हैं:

आमिर खान, अनुपम खेर, विधु विनोद चोपड़ा, क्रिस्टोफर कॉर्बोल्ड, सुहासिनी मणिरत्नम और श्रीकर प्रसाद। इसमें एक्टिंग और एडिटिंग से लेकर VFX, सिनेमैटोग्राफी और सिनेमाAI हैकाथॉन जैसे टॉपिक शामिल हैं, जो फिल्ममेकिंग में AI के भविष्य के बारे में बताते हैं।

वेव्स फिल्म बाज़ार: भारत का क्रिएटिव मार्केटप्लेस

अब वेव्स फिल्म बाज़ार के रूप में पुनः ब्रांडेड, 19वां संस्करण (20-24 नवंबर) पेश करता है,

- एक गतिशील सह-उत्पादन बाजार
- स्क्रीनराइटर्स लैब और वर्क-इन-प्रोग्रेस लैब
- ग्लोबल खोज के लिए एक बढ़ता हुआ व्यूइंग रूम
- नॉलेज सीरीज़ जिसमें कंट्री शोकेस, पिचिंग सेशन और स्टेट इंसेंटिव शामिल हैं

ग्लोबल डेलीगेशन और इन्वेस्टर की भागीदारी के साथ, WAVES साउथ एशिया की कंटेंट इकॉनमी का इंजन रूम है।

राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार 2025

मिनिस्ट्री ऑफ़ फिशरीज़, एनिमल हस्बैंड्री एंड डेयरी (MoFAHD) ने ऑफिशियली नेशनल गोपाल रत्न अवार्ड्स (NGRA) 2025 की घोषणा की है, जो लाइवस्टॉक और डेयरी सेक्टर में भारत के सबसे बड़े सिविलियन सम्मानों में से एक है। ये अवार्ड्स 26 नवंबर 2025 को नेशनल मिल्क डे सेलिब्रेशन के दौरान दिए जाएंगे, जो भारत के 'मिल्कमैन' डॉ. वर्गीस कुरियन की जयंती के मौके पर मनाया जाता है। इस साल, 2,081 एप्लीकेशन में से, तीन कैटेगरी—बेस्ट डेयरी फार्मर, बेस्ट डेयरी कोऑपरेटिव सोसाइटी/FPO/MPC, और बेस्ट आर्टिफिशियल इनसेमिनेशन टेक्नीशियन (AIT)—में टॉप परफॉर्मर को उनके शानदार योगदान के लिए चुना गया है।

अवार्ड्स के बारे में: भारत की डेयरी उत्कृष्टता को बढ़ावा देना

2021 में राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM) के तहत शुरू किए गए NGRA का उद्देश्य है,

- डेयरी किसानों और कोऑपरेटिव्स की कोशिशों को पहचानें और इनाम दें
- देसी गाय और भैंस की नस्लों के वैज्ञानिक मैनेजमेंट को बढ़ावा देना
- दूध उत्पादन और ब्रीडिंग के तरीकों में इनोवेशन और सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा दें
- दुनिया के सबसे बड़े दूध उत्पादक के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करना

ये अवॉर्ड एडवांस्ड ब्रीडिंग सर्विस के ज़रिए जेनेटिक क्वालिटी को बढ़ाने में आर्टिफिशियल इनसेमिनेशन टेक्नीशियन (AITs) की ज़रूरी भूमिका पर भी ज़ोर देते हैं।

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

राष्ट्रीय दुग्ध दिवस 2025 पर सम्मान समारोह

अवॉर्ड सेरेमनी में केंद्रीय मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) और राज्य मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल और श्री जॉर्ज कुरियन शामिल होंगे। विजेताओं को मिलेगा,

- योग्यता का प्रमाण पत्र
- स्मृति चिन्ह

कैश प्राइज़ (सिर्फ़ पहली दो कैटेगरी में),

- प्रथम पुरस्कार के लिए ₹5,00,000
- दूसरे पुरस्कार के लिए ₹3,00,000
- तीसरे पुरस्कार के लिए ₹2,00,000
- एनईआर/हिमालयी राज्य विशेष पुरस्कारों के लिए ₹2,00,000

AIT कैटेगरी के विजेताओं को एक सर्टिफिकेट और मेमेंटो मिलेगा, लेकिन कोई कैश इनाम नहीं मिलेगा।

NGRA 2025 विनर्स: कैटेगरी के हिसाब से पूरी लिस्ट

1. देसी नस्लों को पालने वाले सबसे अच्छे डेयरी किसान

गैर-एनईआर क्षेत्र

- **प्रथम:** श्री अरविंद यशवंत पाटिल (कोल्हापुर, महाराष्ट्र)
- **दूसरे:** डॉ. कंकनाला कृष्ण रेड्डी (हैदराबाद, तेलंगाना)
- **तीसरा (संयुक्त):** श्री हर्षित झूरिया (सीकर, राजस्थान)
- **तीसरा (संयुक्त):** कुमारी श्रद्धा सत्यवान धवन (अहमदनगर, महाराष्ट्र)

एनईआर/हिमालयी राज्य

- श्रीमती विजय लता (हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश)
- श्री प्रदीप पंगरिया (चंपावत , उत्तराखंड)

2. बेस्ट डेयरी कोऑपरेटिव/एफपीओ/दूध उत्पादक कंपनी

गैर-एनईआर क्षेत्र

- **प्रथम:** मीनन गाड़ी क्षीरोलपादका सहकारना संघम लिमिटेड (वायनाड, केरल)
- **दूसरा (संयुक्त):** कुन्नमकट्टुपथी क्षीरोलपादका सहकारना समागम (पलक्कड़, केरल)
- **दूसरा (संयुक्त):** घिनोई दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति (जयपुर, राजस्थान)
- **तीसरा:** TYSPL 37 सेंदुरई मिल्क प्रोड्यूसर्स कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड (अरियालुर , तमिलनाडु)

एनईआर/हिमालयी राज्य

- कुल्हा दूध उत्पादक सहकारी समिति (उधम सिंह नगर, उत्तराखंड)

3. बेस्ट आर्टिफिशियल इनसेमिनेशन टेक्नीशियन (AIT)

गैर-एनईआर क्षेत्र

- **प्रथम:** श्री दिलीप कुमार प्रधान (अनुगुल , ओडिशा)
- **2nd:** श्री विकास कुमार (हनुमानगढ़ , राजस्थान)
- **तीसरा:** श्रीमती अनुराधा चकाली (नांदयाल , आंध्र प्रदेश)

एनईआर/हिमालयी राज्य

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

- श्री देलुवर हसन (बारपेटा , असम)

भारत के राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार 2025 प्रदान किए

भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने आज (23 दिसंबर, 2025) राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में हुए एक अवॉर्ड सेरेमनी में राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार 2025 दिए। राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार के दूसरे एडिशन के लिए , चार कैटेगरी में जाने-माने साइंटिस्ट को 24 अवॉर्ड दिए गए, जिनमें विज्ञान रत्न, विज्ञान श्री, विज्ञान युवा और विज्ञान टीम शामिल हैं।

राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार के बारे में

राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार का मकसद उन लोगों और टीमों को सम्मानित करना है जिनके काम ने भारत की साइंटिफिक और टेक्नोलॉजिकल क्षमताओं को आगे बढ़ाने में खास और प्रेरणा देने वाला असर डाला है। 2025 में, चार कैटेगरी में कुल 24 अवॉर्ड दिए गए,

1. विज्ञान रत्न
2. विज्ञान श्री
3. विज्ञान युवा – शांति स्वरूप भटनागर
4. विज्ञान टीम

ये अवॉर्ड्स एग्रीकल्चर, एटॉमिक एनर्जी, बायोलॉजी, केमिस्ट्री, इंजीनियरिंग, मैथ, मेडिसिन, फिजिक्स, एनवायरनमेंटल साइंस, स्पेस साइंस और टेक्नोलॉजी इनोवेशन जैसे कई सब्जेक्ट्स को कवर करते हैं।

ये रही पूरी अवार्ड पाने वालों की लिस्ट

विज्ञान रत्न

पुरस्कार	नाम	संस्था	प्रमुख योगदान
विज्ञान रत्न (मरणोपरांत)	स्वर्गीय प्रो. जयंत विष्णु नार्लीकर	आईयूसीएए, पुणे	होयल-नार्लीकर सिद्धांत, क्वासी-स्टेडी स्टेट कॉस्मोलॉजी, IUCAA के संस्थापक

विज्ञान श्री

मैदान	नाम	संस्था	प्रमुख योगदान
कृषि विज्ञान	डॉ ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह	आईसीएआर-एनबीपीजीआर, नई दिल्ली	मेगा गेहूं किस्मों का विकास, गर्मी और सूखे को सहन करने की क्षमता
परमाणु ऊर्जा	डॉ यूसुफ मोहम्मद शेख	बीएआरसी, मुंबई	न्यूट्रॉन और सिंक्रोट्रॉन बीमलाइन, सुपरकंडक्टिविटी, मैग्नेटिक मटीरियल
जैविक विज्ञान	डॉ. कुमारसामी थंगराज	सीएसआईआर-सीसीएमबी, हैदराबाद	ह्यूमन जीनोमिक्स, बीमारी की संवेदनशीलता, इनफर्टिलिटी स्टडीज़
रसायन विज्ञान	प्रो. थलप्पिल प्रदीप	आईआईटी मद्रास	स्वदेशी जल शोधन प्रौद्योगिकियां, आणविक क्लस्टर
पर्यावरण विज्ञान	डॉ. एस. वेंकट मोहन	सीएसआईआर-नीरी, नागपुर	पर्यावरण बायोइंजीनियरिंग, अपशिष्ट जल, बायोहाइड्रोजन
इंजीनियरिंग विज्ञान	प्रो. अनिरुद्ध बी. पंडित	आईसीटी मुंबई	कैविटेशन रिएक्टर, एनर्जी-एफिशिएंट माइक्रोबियल सेल डिसरप्शन

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

मैदान	नाम	संस्था	प्रमुख योगदान
गणित और कंप्यूटर विज्ञान	प्रो. महान	एमजे टीआईएफआर, मुंबई	ज्यामितीय समूह सिद्धांत, हाइपरबोलिक 3-मैनिफोल्ड्स
अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी	श्री जयन एन.	इसरो, बेंगलुरु	क्रायोजेनिक इंजन, पुनर्योजी शीतलन

विज्ञान युवा – शांति स्वरूप भटनागर

मैदान	नाम	संस्था	प्रमुख योगदान
कृषि विज्ञान	डॉ. जगदीश गुप्ता	कपुगंती ब्रिक-एनआईपीजीआर, नई दिल्ली	नाइट्रिक ऑक्साइड सिग्नलिंग, शेल्फ-लाइफ बढ़ाना
कृषि विज्ञान	डॉ सतेंद्र कुमार मंगरौठिया	आईसीएआर-आईआईआरआर, हैदराबाद	जीनोम-संपादित सांबा महसूरी चावल
जैविक विज्ञान	डॉ दीपा अगाशे	एनसीबीएस-टीआईएफआर, बेंगलुरु	आणविक विकास, अनुकूली प्रतिक्रियाएँ
जैविक विज्ञान	प्रो. देबरका सेनगुप्ता	आईआईआईटी दिल्ली	सिंगल-सेल जीनोमिक्स, AI, कैंसर बायोमार्कर
रसायन विज्ञान	डॉ. दिव्येंदु दास	आईआईएसईआर कोलकाता	सिस्टम केमिस्ट्री, पेप्टाइड नैनोस्ट्रक्चर
भू - विज्ञान	डॉ. वलीउर रहमान	एनसीपीओआर, गोवा	आइसोटोप जियोकेमिस्ट्री, जलवायु और समुद्र-स्तर अध्ययन
इंजीनियरिंग विज्ञान	प्रो. अर्कप्रभा बसु	आईआईएससी बेंगलुरु	AI-ML के लिए GPU/CPU मेमोरी सिस्टम
गणित और कंप्यूटर विज्ञान	प्रो. सब्यसाची मुखर्जी	टीआईएफआर मुंबई	जटिल विश्लेषण, अनुरूप गतिशीलता
दवा	डॉ सुरेश कुमार	पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़	बाल चिकित्सा क्रिटिकल केयर, प्रोबायोटिक्स रिसर्च
भौतिक विज्ञान	प्रो. अमित कुमार अग्रवाल	ईट कानपुर	क्वांटम संघनित पदार्थ भौतिकी
भौतिक विज्ञान	प्रो. सुरहुद श्रीकांत मोरे	आईयूसीएए, पुणे	ब्रह्मांड विज्ञान, आकाशगंगा क्लस्टरिंग सांख्यिकी
अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी	श्री अंकुर गर्ग	इसरो-सैक, बेंगलुरु	उपग्रह डेटा प्रसंस्करण, सुदूर संवेदन
प्रौद्योगिकी और नवाचार	प्रो. मोहनशंकर शिवप्रकाशम	आईआईटी मद्रास	बायोमेडिकल डिवाइस, मोतियाबिंद सर्जरी तकनीक

विज्ञान टीम

पुरस्कार	टीम	प्रमुख संस्थान	योगदान
विज्ञान टीम	टीम – अरोमा मिशन (सीएसआईआर)	सीएसआईआर-सीमैप	ज़्यादा पैदावार वाली खुशबूदार फसलें, किसानों की इनकम, ग्रामीण उद्यमिता

प्रधान मंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

द्रौपदी मुर्मू ने 26 दिसंबर, 2025 को नई दिल्ली में हुए एक खास फंक्शन में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025 दिया। यह मशहूर नेशनल अवॉर्ड उन बच्चों को दिया जाता है जिन्होंने अलग-अलग फील्ड में बहुत अच्छी उपलब्धियां और अच्छा काम किया है। इस फंक्शन में इस बात पर ज़ोर दिया गया कि भारत का भविष्य उन युवाओं से कैसे बन रहा है जो बहादुरी, इनोवेशन, क्रिएटिविटी और गहरी सामाजिक ज़िम्मेदारी दिखाते हैं।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के बारे में

- प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार बच्चों के लिए भारत का सबसे बड़ा नागरिक सम्मान है , जो 18 साल से कम उम्र के बच्चों की शानदार उपलब्धियों को पहचानने के लिए दिया जाता है।
- ये अवॉर्ड छह कैटेगरी में दिए जाते हैं: बहादुरी, समाज सेवा, पर्यावरण, खेल, कला और संस्कृति, और विज्ञान और टेक्नोलॉजी।
- पहले के नेशनल ब्रेवरी अवार्ड्स की जगह शुरू की गई इस स्कीम का मकसद उन युवा रोल मॉडल्स को बढ़ावा देना, प्रेरित करना और पहचान देना है जिनके काम समाज और देश पर अच्छा असर डालते हैं।

राष्ट्रपति का अभिभाषण और संदेश

- वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए, राष्ट्रपति मुर्मू ने अवॉर्ड पाने वालों को बधाई दी और कहा कि उनकी उपलब्धियों से उनके परिवारों, समुदायों और पूरे देश को बहुत गर्व हुआ है।
- उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि ये अवॉर्ड सिर्फ़ पहचान देने के लिए नहीं हैं, बल्कि बच्चों को वैल्यूज़ के साथ बेहतरीन काम करने के लिए बढ़ावा देने के लिए भी हैं।
- राष्ट्रपति ने भरोसा जताया कि इस तरह की पहचान से पूरे भारत में लाखों बच्चों को अपनी काबिलियत पर भरोसा करने और समाज में अच्छा योगदान देने की प्रेरणा मिलेगी।

ऐतिहासिक चिंतन और प्रेरणा

- अपने भाषण के दौरान, राष्ट्रपति मुर्मू ने सिख धर्म के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह और उनके चार बेटों के बलिदान को याद किया, जिन्होंने सच्चाई और न्याय की रक्षा में अपनी जान दे दी।
- उन्होंने छोटे साहिबज़ादों को खास श्रद्धांजलि दी , जिनकी बहादुरी को भारत और विदेशों में सम्मान दिया जाता है।
- ऐतिहासिक बलिदान को आज के साहस से जोड़कर, राष्ट्रपति ने इस बात पर ज़ोर दिया कि देशभक्ति और नैतिक ताकत के मूल्य कैसे पीढ़ियों से आगे बढ़ते हैं।

साहस और उत्कृष्टता की कहानियाँ

- राष्ट्रपति ने पुरस्कार पाने वालों के बीच कई प्रेरणा देने वाले उदाहरण दिए।
- उन्होंने सात साल की वाका लक्ष्मी प्राग्निका का ज़िक्र किया, जिनकी शतरंज की कामयाबियों ने दुनिया भर में शतरंज की बड़ी कंपनी के तौर पर भारत की बढ़ती पहचान में मदद की है।
- अजय राज और मोहम्मद सिदान पी की बहादुरी की भी तारीफ़ की गई, जिन्होंने तेज़ सोच और हिम्मत से लोगों की जान बचाई।
- उन्होंने व्योमा प्रिया (9) और कमलेश कुमार (11) को श्रद्धा के साथ याद किया, जिन्होंने दूसरों को बचाते हुए अपनी जान गंवा दी और उन्हें कम उम्र में सर्वोच्च बलिदान का प्रतीक बताया।
- एक और अनोखी कहानी दस साल के श्रवण सिंह की थी, जिसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान , लड़ाई से जुड़े खतरों के बावजूद, अपने बॉर्डर वाले गांव के पास तैनात भारतीय सैनिकों को पानी, दूध और लस्सी दी थी।

विविध क्षेत्रों में उपलब्धियाँ

- समारोह में बहादुरी के अलावा उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला गया।
- राष्ट्रपति ने शिवानी होसुरु उप्पारा की तारीफ़ की, जो एक दिव्यांग खिलाड़ी हैं और जिन्होंने आर्थिक और शारीरिक चुनौतियों को पार करके खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन किया।

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs

- उन्होंने वैभव सूर्यवंशी की भी तारीफ़ की, जिन्होंने क्रिकेट की बहुत ज़्यादा कॉम्पिटिटिव दुनिया में अपनी जगह बनाई है और कम उम्र में ही कई रिकॉर्ड बनाए हैं।

ये उदाहरण भारत के बच्चों में स्पोर्ट्स, इनोवेशन, कल्चर और सोशल सर्विस जैसे अलग-अलग तरह के टैलेंट को दिखाते हैं।

FREE Quizzes FREE PYPs FREE PDFs